युवा जीवन

दिसम्बर 2023

दुनिया के लोग पक्षपात दिखा सकते हैं। लेकिन आप का निर्माता एक

निष्पक्ष परमेश्वर है

मेरे प्यारे नवजवानों को मेरी क्रिसमस शुभकामनाएँ!!

आप वे लोग है जिन्हें प्रभु ने अंतिम समय के पुनरूधार के लिए चुना है।

पिछले साल 1985 से हम परमेश्वर को धन्यवाद देते हैं जिन्होंने हमें युवाओं के बीच विभिन्न प्रकार की सेवकाई करने का अनुग्रह दिया है। इस सेवकाई के अनेक भावुक दिलों को, जो कई तरीकों से सेवकाई से प्यार करते है और उसका समर्थन करते हैं। मैं मण्डली के सदस्यों, कर्मचारियों, लेखकों, अनुवादकों और पाठकों को जीसस रेडीयर्स की ओर से क्रिसमस की शुभकामनाएँ देना चाहता हूँ।

इस क्रिसमस पर उन सभी के साथ प्यार करे और प्यार बांटे आप यीशु की तरह आपके दूसरों के प्रति निष्पक्ष प्रेम दिखाना चाहिए जिससे हम अनेक युवाओं को मसीह के पास आ सकते है।

इस क्रिसमस के दिनों में हमारे यीशु की तरह उन सभी से प्यार करें और प्यार बांटे जिनमें पक्षपात नहीं हैं जैसे कि हमारे परमेश्वर प्रसन्न होंगे जब आप बिना किसी भेदभाव के सभी से प्यार करेंगे, युवा लोग, यीशु की तरह, पक्षपात के बिना प्यार दिखाकर और अधिक किशोरों को आकर्षित करे।

सादर प्रणाम

मोहन सी लाजरस

शिमशोन

इज़राइल के 13वीं न्यायाधीश

पढ़िए: न्यायियोः अध्याय 13-16

परिचय

शिमशोन सूर्य के समान है (शिमशोन नाम का अर्थ है- सूर्य के समान) इसका मतलब ठोस या मजबूत है। वह पुराने नियम के सबसे प्रसिद्ध व्यक्तियों में से एक थे। वह दुख दानियों के कुल के सोरावासी मानोह का पुत्र है। शिमशोन के जन्म की घोषणा उसके माता पिता को चमत्कारिक ढंग से की गई।

विशेष लक्षण

- उसने 300 लोमडियो को पकड़ लिया, मशालें की, उन्हें उसे उनकी पूछों से बाँध्कर, पलिशितयों की खेतों, अंगूर के बारिया और जैतून पेड़ो को जला दिया।
- एक गधे का हरा जबड़ा उठा और एक हजार लोगो को मार डाला।
- उसने मेमने को फाड़ने की तरह अपने नंगे हाथों से सिंह को फाड डाला।
- शिमशोन बाइ बिल में शेर को मारनेवाला पहला आदमी था।
- नाज़रीन के रूप में जन्म से हो परमेश्वर को समर्पित।
- वह अथाह शारीरिक शक्तिवाला व्यक्ति था। इसे परमेश्वर और अपनी महिमा के लिए उपयोग किया था।
- शिमशोन ने परमेश्वर के उद्देश्य को पूरा किया जैसा कि स्वर्गदूत ने घोषणा की थी जो उसके जन्म से पहले उसके माता-पिता से मिलने आया था।
- और उसने इस्राएल को पलिश्तियों के के हाथों से छुडाया।
- उसने इस्राएल को पलिश्तियों को उत्पीडित से मुक्ति काराया। वह इस्राएल को छुड़ानेवालों में सर्वोच्च थे।
- पलिश्तियों के दिनों में उसने 20 वर्ष तक इस्राएलियो का न्याय किया।

कमजोरियोंः-

- शिमशोर ने अक्सर परमेश्वर की शपथ और परमेश्वर की व्यवस्था को तोड़ी।
- और खतनारहित पलिश्तियों के साथ रिश्ता रखा था और इसलिए उन्हें कई समस्याओं का सामना करना पड़ा।
- उन्होंने अपनी प्रतिभा का अनुचित रूप से उपयोग किया।
- जिसे अंगूर से दूर रहना था वह अंगूर के बगीचे में गया।
- वह वेश्या के पास जाकर और अपने आपको अशुद्ध कर लिया।
- जब उन्हें किसी शव के पास जाने से मना किया गया था। उसने अपने हाथों से मरे हुए शेर के शरीर से शहद निकाला। और खुद भी खाया और अपने माता-पिता को भी दिया।
- दलीला नामक की एक विदेशी स्त्री के साथ दोस्ती करके उसने उसे अपनी ताकत का रहस्य बना दिया और खुलासे की वजह से उनके सिर के बाल मूँडा गया और उसका बल इतना घट गया कि वह साधारण मनुष्य के समान हो गया।
- जिस उद्देश्य के लिए बुलाया गया था उसे भूल गया और भोगवादी बन गया। वह परमेश्वर की आज्ञा का उल्लंघन करनेवाला भी बन गया।
- उसने अपने माता-पिता की बातों को अनसुना कर दिया।

मुख्य प्रवेश द्वार

निष्पक्ष परमेश्वर

एक पिता जिसने अपने बच्चों में से 7 को ऊंचे पदों और ऊंची नौकरियों रखकर उनके स्तर के सुन्दरता देखी पर वह बिना कोई प्यार या परवाह दिखाए, अपनी आखिरी बेटे को यह कहते हुए नज़र अंदाज कर देता है कि वह यह जानता है और उसका उपयोग केवल इसके लिए किया जाएगा। आखिरी 8वां बेटा पूरी तरह से परमेश्वर पर निर्भर हो गया, यह जानते हुए कि भले ही उसे अपने भाइयों के समान सम्मान और प्यार नहीं मिला, वह जानता था कि एक परमेश्वर है जो बिना किसी से भेदभाव के बिना उसे प्यार करने से कभी नहीं थकेगा। जो जानता है कि सर्वाभौमिक पिता के प्रेम पक्षपात से है। परमेश्वर को कसकर पकड़कर उसके प्रति अपने महान विश्वास और प्रेम के कारण, वह आनन्दित हुआ और इस बात से प्रसन्न हुआ कि परमेश्वर उसके साथ था और उसने उसकी स्तुति की। परमेश्रवर ने उस पर इसकी मेहरबानी की कि उसे उठाया, उसे अथाह आशीष दी। वह हमारा भजनहार डेविड है।

दुनिया के पक्षपात आपको पिघला सकता है और तोड़ सकता है लेकिन परमेश्वर जिसने आपसे सच्चा प्यार किया और आपके लिए अपना जीवन दे दिया, उसका कोई पक्षपात नहीं है। क्योंकि जब उसने उन्हें बनाया तो उसका इरादा तुम्हें बेहतर बनाना चाहना था। मनुष्य का भेदभाव उस आशीर्वाद को कभी नहीं छीन सकता जो परमेश्वर ने आपके लिए दिया।

जवान! दुनिया के प्यार का पक्षपात जरूर होता है। लेकिन, परमेश्वर में जिसने तुम्हें बनाया परमेश्वर निष्पक्ष है। डेविड का भेदभाव घर पर ही दिया गया था। शौऊल को इस बात से भी ईष्या थी कि उसे राजगद्दी नहीं मिलनी चाहिए और वह उनका इस तरह पीछा करना था ताकि वह मर जाए।

यदि लोग आप पर हमला करें और सेवा के पथ पर आपको रोकने के लिए शत्रुता का भाव रखें तो भी बिना घबराए आगे बढ़े। क्योंकि यीशु जो आपको जागृति में उपयोग करना चाहता है, वह आपको मजबूत करेगा और स्नेह के साथ आपका उपयोग करेगा। मसीह के कार्य में

मसीह के मिशन में
अविनाश

बुलाहट, उदासीनता, महत्वांकांक्षा

इस महीने अशविनी नाम की बहन ने हमारे साथ अपनी गवाही साझा की है कि कैसे उसे परमेश्वर ने तोड़ा, और बनाया और अपनी सेवकाई करने के लिए बुलाया। आओ और सुनो।

अपने परिवार और बचपन के बार में बताएँ

मेरा जन्म धर्मपुरी जिले में एक ईसाई परिवार में हुआ था। मैं कर्नाटक राज्य में बड़ा हुआ और मेरी स्कूली शिक्षा वहीं हुई। मेरे पिता श्री मधुर और माता श्रीमती सुमति हैं। मेरा एक भाई है जिसका नाम अशोक है। अपने B.E. की पढ़ाई पूरी की है और एक कम्पनी में नौकरी करता है।

अति... सुन्दर परिवार है...। हमें अपनी स्कूली शिक्षा के बारे में कुछ बताएँ? 10वीं तक पढ़ाई में मेरी कोई रूचि नहीं थी। तब तक मैंने कोई आदर्श लेकर पढ़ाई नहीं की थी। जब मैं 11वीं कक्षा में पढ़ रही थी तभी पढ़ाई में रूचि हो गयी और मैंने एक आदर्श के साथ पढ़ाई शुरू कर दी। 6 साल का कोर्स फार्म डी. की पढ़ाई करना मेरा सपना था। खैर.... क्या अपने आप सपना फार्म डी. कोर्स किया है और अपना सपना हासिल किया है?

मैं आपको बता दूँ कि जब मैं 12वीं कक्षा में थी तब परमेश्वर ने मुझे सेवकाई के लिए बुलाया था। लेकिन मैंने इससे इन्कार कर दिया। क्योंकि मेरी महत्त्वाकांक्षा फार्मसी का डॉक्टर बनने की थी। मैं सेवकाई में प्रवेश नहीं करना चाहती थी। मेरे माता-पिता को भी यह पसन्द नहीं था। मैं इस कडी मेहनत से पढ़ाई करती रही और 12 वीं कक्षा की परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद अच्छे अंक प्राप्त करने की अपनी महत्वांकांक्षा पूरी करने का सपना लेकर परीक्षा पर परिणाम का इन्तजार कर रही थी।

क्या परीक्षा परिणाम आपकी आशा के अनुसार रहा? अपनी पसन्द का कोर्स का अध्ययन किया?

मैं अपने 12वीं समान्य परीक्षा परिणाम की प्रतीक्षा कर रही थी। रिजल्ट वाले दिन सुबह 5 बजे अगर आप इस परीक्षा में फेल हो जाती है तो तुम क्या करोगी? एक आवाज़ 3 बार सुनाई दी। जब मैंने वह आवाज़ सुनी तो मेरे अन्दर एक डर पैदा हो गया लेकिन मैं इसके बावजूद आशीर्वाद हूँ। मैंने धर्मग्रन्थ का पाठ और प्रार्थना की जिसमें कहा गया है "घोड़ा युद्ध के दिन के लिए तैयार है, और जीत प्रभु की ओर से होनी है।" क्योंकि मैंने बहुत मेहनत से पढ़ाई की थी और परीक्षा दी थी। इसलिए मैं बहुत आशान्वित थी। शाम को जब परीक्षा परिणाम आया तो मैं गणित में फेल हो गयी थी। मैं उस निराशा को स्वीकार नहीं कर सका। क्योंकि गणित मेरा पसंदीदा विषय है। मेरे माता-पिता ने मुझे प्रोत्साहित किया। और मुझसे इस विषय को फिर से लिखने को कहा। दूसरी बार लिखित परीक्षा में भी फेल हो गयी।

जब आपको सफलता का सामना करना पड़ा तो आपकी मानसिक स्थिति क्या थी?

बार-बार असफल होने के बारे में इस निष्कर्ष पर पहुँची कि कोई परमेश्वर नही हैं। मैं बहुत थक गयी थी। और बोली, हालांकि मैंने कड़ी मेहनत की फिर भी मुझे सफलता नहीं मिली। आप सभी को बताते है कि यीशु कुछ भी करेगा। मेरी सहेलिया मुझे चिढ़ाने लगी कि तुम्हारा यीशु कहाँ है? यह सुनकर मुझमें परमेश्वर की ओर भी अधिक नफरत हो गई। मैं अपनी मर्जी से जीने लगी। उस वक्त मैं सोशल नेटवर्किंग साइट्स का खूब इस्तेमाल करने लगी थी। मैंने अपना सारा समय इसी पर बिताया? 8 महीने तक मैं परमेश्वर से यह कहकर अलग हो गयी कि सोशल मीडिया मेरी जिन्दगी है।

ठीक है, उसके बाद आप प्रभु में कब और कैसी आयीं?

मैं सुबह 3.00 बजे उठकर प्रार्थना करने की आदत थी। लेकिन इन 8 महीनों में मैं प्रार्थना नहीं कर रही थी। आठ महीने के बाद एक सुबह मैं अपने मोबाइल फोन देख रही थी तो मुझे आवाज़ सुनाई दी घुटने टेकर प्रार्थना करो। मैंने तुरन्त घुटने टेककर प्रार्थना करना शुरू ही नहीं किया तब तक मैंने यीशु के क्रूस का दृश्य देखा। जब मैंने उसे देखा तो मेरे हृदय को बहुत दुख हुआ। मैंने आपके लिए सब कुछ सहा है। क्या आप मुझे इस संसार के अध्ययन के लिए अस्वीकार कर रही हो? यीशु ने मुझे लालसा से देखा ओर पूछा। तुरन्त मुझे अपनी गलती का एहसास हुआ और रोयी, प्रार्थना की ओर खुद को समर्पित कर दिया। यीशु ने मुझसे बात करना शुरू किया। आप मुझे जवानी के उम्र में जानती है लेकिन आप जैसे किशोर गुलामी और पाप में फंसे हुए है। उनका प्रचार कौन करेगा? जैसे ही मैंने यह सुना, मैंने अपना जीवन पूरी तरह से सेवकाई को समर्पित कर दिया।

जी हाँ सेवकाई के प्रतिबन्ध् होने के बाद आपके जीवन में क्या हुआ? मेरे द्वारा स्वयं को सेवकाई में समर्पित करने के बाद प्रभु मेरे साथ (रोमि 8:35, 38, 39) मैंने तुरन्त अपने आपको समर्पित कर दिया कि चाहे मेरे जीवन में असफलता आए या मृत्यु आए मैं आपको नहीं छोड़ूँगी प्रभु। 2 महीने के बाद मैंने परीक्षा दी। इस समय भी मैं गणित में फेल हो गयी थी। यीशु प्रभु से मैंने पूछा कि मेरी यह असफलता क्यों? क्या मैंने खुद को पूरी तरह से तुम्हें सौंप दिया है। प्रभु के तुरन्त मुझसे पूछा कि तुमने खुद का किसी चीज़ के लिए समर्पित कर दिया है, कि चाहे विफलता या मृत्यु भी आए, मैं तुम्हें कभी नहीं छोड़ूँगी। उसके बाद मैंने प्रभु से कोई प्रश्न नहीं पूछा। अगले तीन महीने में एक घातक बीमारी पड़ गयी और मृत्यु शय्या पर थी। डाक्टरों से पता करना असम्भव हो गया कि बीमारी क्या है। छह महीने तक मेरा इलाज चला। आखिरकार डॉक्टरों ने मस्तिष्क में टी.बी. की बीमारी का पता लगाया है। 100,000 में से केवल एक ही इस बीमारी से पीड़ित होता है। डॉक्टरों ने हमसे कहा कि हम अंतिम चरण को नहीं बचा सकते और हम 48 घण्टे का समय दिया। उस समय मेरे माता-पिता ने कहा कि हम जहां भी है, प्यारी खुशी ही काफी है, और जब मैं ICU में थी तो उन लोगों ने मुझे सरण्डर करने की प्रार्थना की। तब तक मेरे माता-पिता ने कई कारण बताकर मुझे सेवकाई में नहीं भेजा क्योंकि किसी लड़की को सेवकाई में भेजना सुरक्षित नहीं था। प्रभु ने प्रार्थना सुनी और मुझे पूरी तरह से ठीक कर दिया और मुझे फिर से जीवन दिया। उसके बाद आज तक मैंने कभी उस बीमारी का इलाज नहीं कराया।

प्रभु की महिमा हो! आप उस प्रभु के साथ क्या करना शुरू किया? जिसने पुनर्जीवित किया।

मैंने प्रार्थना की। प्रभु मुझे बाइबल कॉलेज में पढ़ने का मार्गदर्शन दिया। तदनुसार, मैं धर्मशास्त्रा महाविद्यालय का अध्ययन किया। पढ़ाई के दौरान ही पूर्णकालिक सेवकाई के लिए बुलायी गयी। अब मैं पूर्णकालिक सेवकाई कर रही हूँ।

आप किशोरों से क्या कहना चाहेंगे?

बाइबल कहती है कि युवावस्था में अपनी सृष्टीकर्ता को याद करो। किशोरों के रूप में हम असफल हो जाते है। जब हम यीशु का अपने मित्र के रूप में लेकर यात्रा करते है तो हमें असफलताएँ, बीमारियाँ और अपमान झेलना पड़ेगा इसे मत देखो और फिर इसे सामना करने के लिए कृपा माँगो। पवित्र आत्मा आपका मार्गदर्शन करेगा।

प्रिय युवाओ! परमेश्वर ने बहन अशविनी को, जो सांसारिक महत्त्वाकांक्षा की ओर भाग रही थी, प्रभु अपनी नेक सेवा करने के लिए बुलाया, और उन्हें अपने सर्वोच्च आदर्श की ओर दौडाएँ रखा। क्योंकि मेरी और तुम्हारी गति में और मेरे और तुम्हारे सोच, विचारों में आकाश और पृथ्वी का अन्तर है। इसलिए तो परमेश्वर कुछ लोगों को तोडेगा, बनाएगा और उपयोग करेगा। क्या आजकल आप भी यीशु आह्वान की अनदेखी कर रहे हैं। क्या आप अपनी इच्छा के अनुसार करने का प्रयास कर रहे हो। मनफिराओं, अपना हृदय बदलों और यीशु की आवाज सुनो और उसकी इच्छा पूरी करने के लिए स्वयं को समर्पित करें।

Heart Beat

फैला हाथ ?

मैं एक हॉस्टल में रहकर नौवीं कक्षा में पढ़ाई कर रहा हूँ। मेरे माता-पिता कारोना महामारी के ग्रस्त होकर मर गए थे। मेरे एक रिश्तेदार ने मुझे और मेरी बहन को एक ईसाई छात्रावास में दाखिल कराया। हर साल जब मेरे माता-पिता थे तो हम क्रिसमस के दिन चर्च जाते थे। इसके बाद हम अपनी योग्यता के अनुसार 5 छोटे बच्चों के लिए भोजन और कपड़े, केक देते थे ओर उनके साथ क्रिसमस का दिन मनाते थे। लेकिन मुझे इस बात की बहुत चिन्ता है कि इस साल मेरे साथ ये स्थिति हो गई है। मेरा सपना एक कम्पनी शुरू करके कई लोगों को रोज़गार देना और उनका जीवन स्तर ऊपर उठाना है हर साल हम क्रिसमस का इन्तजार करते थे। लेकिन हम विचार करते है कि इस साल में क्रिसमस क्यों आता है। इसके अलावा मैं सोच रहा हूँ कि क्या क्रिसमस के दिन चर्च जा सकते है। क्या आप मेरी मदद कर सकते है? जेनी, मुम्बई।

प्रिय बहन जेनी। आपके जीवन में एक दर्दनाक स्थिति, मृत्यु सब कुछ समझ में आता है। आपके सामने एक बड़ा प्रश्न चिन्ह निशान हो तो माता-पिता को खोना बहुत दर्दनाक बात होती है। असहाय कई लोगों को आपने ऐसे समर्थन और प्यार दिखाई थी। अब यह चाहना कि कोई आपका समर्थन करें, ये सब समझ में आता है। त्यौहारों के दिन गरीबों को याद किया और उनके साथ अपना प्यार और आहार बाँटे यह बहुत दर्दनाक है कि आपकी ऐसी स्थिति हैं जहां आज कोई आपकी मदद करेगा।

जेनी! जब भी हम किसी माता-पिता को खोते हैं तब यीशु हमारी माता-पिता होकर जिम्मेदारी तो लेगा और कर्तव्य को निभाना शुरू कर देता है। इसमें कोई सन्देह नहीं है कि परमेश्वर आपके लिए हर चीज़ की जिम्मेदारी लेगा, जिन्होंने अपने जीवन में माता और पिता दोनों को खो दिया है।

तो जेनी, निराश मत होइए। आपने ऐसा सोचना कि

मेरी हालत ऐसे बदल गए हे। यीशु उन लोगों के जीवन में आशा देने के लिए दुनिया में आया है जिसमें केाई आशा नहीं है। मेरा जीवन शून्य हो गया हे, मेरे जीवन में अब कोई रोशनी या अच्छाई नहीं हैं ऐसे आपके टूटे हुए जीवन को चमकाने के लिए वहाँ यीशु है।

जब यीशु को कसकर पकड़ लेते है वह अपने निराशाजनक जीवन को आशा में बदल सकता है। आप अपनी बासी जिन्दगी को फिर से मधुर बन सकते है।

अब क्या आप थक कर कोने पर बैठनेवाली है नहीं तो फिर उठकर विश्वास में मजबूत होकर यीशु के अनुग्रह के साथ अपने अपने की दिशा में काम करना जारी रखेंगे। सफलता जारी रखें

(1) आप जहाँ हैं इस ईसाई छात्रावास में निरन्तर प्रार्थना और विश्वास के साथ अध्ययन करने का प्रयास करें।

(2) जब थकावट उत्पन्न होते हैं उसको सामना करने के लिए कई गवाहों को सुनिये। धर्मग्रन्थ पढ़ना शुरू करें। विश्वास मजबूत होगी। एक नई आशा जागेगी।

(3) हर सप्ताह नियमित रूप से चर्च जाने का संकल्प कें।

(4) मेरे साथ ऐसा क्यों हुआ? ऐसा विचार आते समय यीशु मुझे प्रेम करता है वह मेरे जीवन में कभी गलती नहीं करेगा। अक्सर ये कहना है कि वह मुझे कभी नहीं छोड़ेंगे। आपको खुद को मजबूत करना होगा।

(5) जो मुझे सामर्थ देता है उसमें मैं सब कुछ कर सकता है (फिलि. 14: 13) इस वचन से विश्वास सहित कार्य करिए। मुक्ष्य वास्तविकता आपके सामने आ सकती है। जेनी, आपके लिए मेरी तरफ से क्रिसमस की शुभकामनाएँ।

In Dharavi

Jesus Redeems

JESUS REDEEMS MINISTRIES

Special Meeting for Exam Writing Students

Date: 2024

21st January

Time: 5:00pm to 7:30pm

Place:
WORLD REVIVAL PRAYER CENTER,
JESUS REDEEMS MINISTRIES,
2nd Floor, Above Balkrishna Farsan Mart,
Opp. Apna Restaurant, Near Kamarajar School, 90 Feet Road, Dharavi,
Mumbai - 400 017.

Message:

Bro. Charles Daniel

Contact: 90048 82470, 80824 10410.

परमेश्वर निष्पक्ष है

दुनिया में रहने वाले कुछ लोग हवेली जैसे घरों में, कुछ झोपडियां में कई लोग साधारण आवासों में रह रहे हैं। इससे ऊँचे, नीचे, अमीर, गरीब, बुद्धिमान और मूर्ख, दुष्ट और धर्मी जैसे विभिन्न प्रकार के लोग शामिल हैं। भले ही उनके जीवन के तरीके और जीवन स्तर अलग-अलग है। सभी इस धरती पर जन्म लेते हैं जीवित रहते हैं, और एक दिन इस दुनिया को छोड़ देते हैं। परन्तु स्वर्गपिता उन सबको देखता है। क्योंकि वह भलों और बुरों दोनों पर अपना सूर्य उदय करता है और धर्मियों ओर अधर्मियों दोनों पर मेंह बरसाता है। तो परमेश्वर का निष्पक्ष प्रेम प्रकट होना है।

प्रभु यीशु इस धरती पर किसी विशेष जाति या विशेष धर्म कि स्थापना करने के लिए नहीं आया था। वह एक इन्सान के रूप में इसलिए पैदा हुआ है हर उस इन्सान को बचाने के लिए आए जिन्होंने पाप किया है। और इस धरती पर अपना जीवन बर्बाद कर लिया है। एक राजा के हृदय में एक अतृप्त शंका उत्पन्न हो गई। वह है अर्थात् क्यों यीशु को मनुष्य को बचाने के लिए आन पड़ा। वह हर चीज़ का निर्माता है। हो सकता है कि मानवता को बचाने के लिए परमेश्वर कोई एक स्वर्गदूत भेज सकते थे। वह क्यों आया? राजा के मन ही मन प्रश्न अपने मंत्री से पूछा मंत्री ने पूरी रात सोच-विचार किया और अंततः एक निर्णय पर पहुँचे। अगले दिन राजा के महल में गये और उस प्रश्न का उत्तर मिल गया जो आपने पूछा था कि यीशु को आदमी को बचाने के लिए क्यों आना पड़ा। उसका जवाब मुझे पता चल गया। आइए हम सभी राजमहल छोड़कर सामने वाले किनारे पर

चलेंगे। मंत्री के साथ राजा, उनके बेटे और योद्ध लोग (सेना) सभी निकले नदी पार करने की कोशिश कीं अचानक राजा के अप्रत्यशित रूप से राजा के बेटे को मंत्री ने नदी में धक्का दिया। यह देखकर राजा ने बिना सोचे समझे नदीं में छलांग लगा दी और अपने पुत्र को बचा लिया। जो बाहर आकर गुस्से में मंत्री से पूछा कि तुमने मेरे बेटे को नदी में क्यों फेंक दिया। जब मंत्री ने पूछा कि आपके बेटे को नदी पर गिरने पर उसे आदेश दे सकते हैं तो उसे बचाने के लिए मौजूद हूँ। युद्ध सेवक हैं। इतने सब होने पर भी आप नदी में क्यों कूदे? राजा ने कहा, चूँकि मैं उससे बेहद प्यार करता हूँ। इसलिए मैंने बिना किसी का इन्तजार किए नदी में छलांग लगा दी और अपने बेटे को बचा लिया।

मंत्री ने तुरन्त राजा की ओर मुड़ा- राजा, वैसे ही प्रभु यीशु मसी की तरह है, वह अपने बच्चों को बचाने के लिए अपने स्वर्गदूतों को भेजे बिना मनुष्य के पुत्र के रूप में इस धरती पर आया, जो पाप, अभिशाप, और शैतान के चुंगल में फंस गए थे और सीधे मौत की ओर भाग रहे थे। इसके अलावा वह पक्षपात नहीं करता, वह एक निष्पक्ष परमेश्वर है। इसलिए मनुष्य के साथ अमीर, गरीब, गुलाम, मालिक, अच्छा, बुरा, पुरूष, महिला, सफेद, काला जैसे कोई भेदभाव नहीं किया जाता है। मनुष्य के प्रति उसके अथाह प्रेम के कारण, वह खुद उन्हें बचाने आएं और अपनी जान दे दी।

इस तरह, यीशु ने सभी लोगों में भेदभाव किए बिना उनकी मदद और सभी की एक जैसा प्यार दिखाता है, आइए हम भी इन उत्सव के दिनों में अपने आसपास गरीबों और कमज़ोर लोगों के बारे में सोचे बिना यीशु मसीह को प्रेम दिखाएँगे। जो कुछ तुम चाहते हो, कि मनुष्य तुम्हारे साथ करें तुम भी उनके साथ वैसा ही करो क्योंकि व्यवस्था और भविष्यवक्ताओं की शिक्षा यही है (मत्ती 7: 12) यीशु के जन्म की खबर हमें दूसरों से अपने सामान प्रेम करने की मनुष्य अवधारणा को प्रकट करता है। इस धरती पर कोई भी व्यक्ति ऐसा नहीं है जो स्वयं से प्रेम न करता हो। यीशु के जन्म की अच्छी खबर यह है कि जैसे कोई खुद से और अपने परिवार से बिना किसी पूर्वाग्रह के प्यार करता है। वैसे ही हमारे दोस्त जो हमारे साथ पढ़ते है और उन नौकरों से जो हमारे अधीन काम करते हैं। उन्हें हमसे बिना किसी पूर्वाग्रह के प्यार करना चाहिए और अच्छा करना चाहिए।

यीशु के दोष ढूँढने के लिए व्यभिचार का पाप किये एक महिला को यीशु के पास लाए गए थे। उसी स्त्री पर यह भाव था कि उसे उसको दण्ड देना ही होगा। लेकिन क्योंकि यीशु ने उस स्त्री को पापी न समझकर प्रेम किया, इसलिए उसने उसे दोषी ठहराए बिना ही उसे स्वतन्त्रा कर दिया।

प्रिस युवाओं परमेश्वर में कोई पक्षपात नहीं है। (रोमि 2: 11) प्रभु यीशु मसीहे के जन्म के सन्देश हमें बताता है कि हमें दूसरों के साथ वैसे ही व्यवहार करना चाहिए जैसा यीशु मसीह हमारे साथ करता है। इसलिए हम अपने आस-पास के लोगों के भेदभाव देखे बिना दया के ईश्वर के प्रेम को व्यक्त करें। यीशु मसीह के जन्म दिन मनाएँगे।

भलाई करो!

वह (कुरनेलियुस) अपने सारे घराने समेत धर्मनिष्ठ और परमेश्वर भयभीत था। और यहूदी लोगों को बहुत दान देता था और बराबर परमेश्वर से प्रार्थना करता था (प्रेरितों 10: 2) यद्यपि सूबेदार कुरनेलियुस को नहीं पता था कि असली परमेश्वर कौन थे पर एक ईश्वर है वह यह जानकर चला कि उसे उस परमेश्वर पर भरोसा करना था और भय के साथ चलता था। परमेश्वर के भय मानकर वह गरीबों और दीनों को खूब दान दिया करता था। परमेश्रवर का एक स्वर्गदूत ने आकर कुरनेलियुस से एकांत में बातें की और कहा, तेरी प्रार्थनाएँ और तेरी दानशीलता परमेश्वर के पास स्मरण के लिए पहुँची है। जब हम दूसरों की मदद करते हैं, तो यह स्वर्ग में पमेश्वर के सामने जाता है इसलिए हमें स्वयं को परोपकार के प्रति समर्पित कर देना चाहिए।

भला क्यों करे?

ईश्वरीय आदेश

तेरे देश में दरिद्र तो सदा पाएँ जाएँगे, इसलिए मैं तुझे यह आज्ञा देता हूँ, कि अपने देश में अपने दीन-दरिद्र भाइयों को अपना हाथ ढीला करके अवश्य दान देना। (व्यवस्थाविवरण 15: 11) गरीबों की सहायता करनी है। परमेश्वर की आदेश यह है कि आपको उदारतापूर्वक अपना हाथ खोलना और अपने भाई को सहायता करनी है। (नीतिवचन 17: 5) जो निर्धन को ठट्टो में उड़ाता है। वह उसके कर्ता की निन्दा करता है, और जो किसी की विपत्ति पर हँसता है, वह निर्दोष नहीं ठहरेगा। परमेश्वर का वचन बताता है दीनों को छोटा मन समझों क्योकि प्रभु ने ये आज्ञाएँ इसलिए लिखीं क्योंकि उन्हें गरीबों और जरूरतमंदों की चिन्ता है।

यहोवा को उधर देता है।

जो कंगाल पर अनुग्रह करता है, वह यहोवा को उधर देता है। मनुष्य, मनुष्य को उधर दे सकता है। परन्तु प्रभु हमें एक अनुग्रह देता है।

जिस परमेश्वर, जिसने आकाश और पृथ्वी को बनाया, वह हमारा कर्ज़दार हो सकता है। वह कहता है कि जब आप गरीबों को देते है तो परमेश्वर को उधर दे रहा हैं। बहुत से लोग सोचते हैं कि दशमांश देना या कलीसिया और सेवकाई को देना वही है जो हम प्रभु को देते है जो हम प्रभु को देते है। ऐसा नहीं है जब आप किसी गरीब व्यक्ति को दान देते है जब आप किसी विध्वा की मदद करते है जब आप किसी अनाथ बच्चे की मदद करते हैं जब आप पीड़ितों का भला करते है, तो आप इसका उधर प्रभु को देते हैं। तुम गरीबों को जो दोगे प्रभु तुम्हें वहीं लौटाएगा।

किसका भला करना चाहिए:-

जिनका भला करना चाहिए, यदि तुझे शान्ति रहे तो उनका भला करने से न रुकना (नीतिवचन 3: 27) यह वहीं कह रहा कि इसे सबके लिए करो। पवित्रशास्त्र बनाता है कि जिसकी ज़रूरत है, उन्हें करो। एक दिन एक भाई आया था जिसके दोनों हाथ नहीं थे। किसी

को भी उस पर दया आ सकती है। पर मुझे उसके लिए कभी दया नहीं आई। उन्होंने रोते हुए कहा, मेरी बेटी की शादी रखी है, और मैं कोई काम नहीं कर सकता। उनके पास शादी में आने वाले लोगों को खाना खिलाने के लिए पैसे नहीं हैं। पर मेरे मन में कभी उसकी मदद करने का विचार नहीं आया। प्रभु ने मुझे देने की प्रेरणा नहीं दी है। पर मैंने कहा कि तुम्हें विवाह के दिन धन मिलेगा। मैंने कहा कि आप अपना पता देकर निडर होकर चलिए।

सेवकाई करने वाला एक भाई को पैसे देकर मैंने उसके बारे में पूछताछ करने के बाद पैसे दे देने के लिए कहा था। जब उन्होंने उसके गांव जाकर पूछताछ की। पता चला कि उनके बच्चों की शादी होकर कई साल हो चुकी है। उसके घर में उस दिन कोई शादी नहीं थी।

यहोवा ने मेरा हृदय बन्द कर दिया क्योंकि वह जानता था कि वह धोखा देने और धन लेने आया हैं इसलिए मुझे उसके लिए कोई दया नहीं हुई। प्रभु यीशु मसीह कहता है कि हमें उन लोगों का भला नहीं करना चाहिए जो धोखा देते है, बल्कि उनका भला करना चाहिए जो इसके योग्य है।

विश्वास के परिवार के लिए भला करें

तो आइए, जब भी समय मिले, सबके साथ भलाई करें विशेष करके विश्वासी भाईयों के साथ (गलातियो 6: 10) जाति और धर्म के बावजूद देखें कि क्या किसी को ज़रूरत है और उनकी मदद करें। धर्मग्रन्थ हमें विश्वास के परिवार का भला करने के लिए कहती है। जो लोग ऐसे परिवार से बचाए गए है, जो यीशु को नहीं जानते यदि कोई कठिनाई हो तो उनकी मदद करनी अनिवार्य है। जब किसी आस्तिक की सहायता करनेवाला कोई न हो तो उसे भलाई न करे वह पाप है।

परमेश्वर के सेवकों के साथ ऐसा करो:-

जो वचन की शिक्षा पाता है, वह सब अच्छी वस्तुओं के सिखानेवाले को भागी करे। (गला. 6:6) जो लोग वचन सुनक धन्य है उन्हें उन लोगों के साथ लाभ साझा करना चाहिए। पवित्रशास्त्र कहता है कि सेवकों का भला करो। आप अपने गाँव में उन लोगों के लिए साइकिल खरीद सकते है क्योंकि ऐसे प्रचारक है जो गांव-गांव जाते है, जो शहर में काम करते है, जो हस्तलिपि पैदल जाकर सेवा करते हैं। शायद खान दे दे। आप उनके लिए एक पोशाक खरीदकर सेवकाई में उनका उत्साहवर्धन कर सकते है। प्रभु के सेवकों के साथ सारपत की विध्वा के समान व्यवहार करें तो प्रभु आपको असीम आशीर्वाद दें। (मत्ती 25: 40 तब राजा उन्हें उत्तर देगा, मैं तुम से सच कहता हूँ कि तुमने जो मेरे इन छोटे से छोटे भाइयों में स किसी एक के साथ किया, वह मेरे साथ किया।)

प्रिय युवाओ। बिना कर्ज, आपके हाथ के अन्दर से अपनी कलीसिया या आपक परिचित सेवक, मिश्नरियों में आपके साथ पढ़नेवाले साथी छात्रों के अध्ययन के लिए क्रिसमस के इस महीने में जो रास्ते में गरीब और जरूरतमन्द लोगों की मदद करने के लिए आप जो भी कर सकते हैं वही करें। यीशु मसीह का आशीर्वाद प्राप्त करें! आमीन

इसहाक -रिबका

वे अपने बच्चों से पक्षपात करते थे

रिबका अपने छोटे बेटा याकूब को अधिक प्यार करती थी। इसहाक अपने बड़े बेटा यीशु को ज्यादा प्यार करता था। और वह उसे आशीर्वाद देना चाहता था। रिबका याकूब के उपर बहुत प्यार के कारण अपने बड़ा बेटा अपने याकूब के दो आशीर्वाद देने के लिए अपने बड़े बेटे यीशु को धोखा दिया। यह जानकर, यीशु ने अपने भाई को मारने का फैसला कियाा क्योंकि उसकी माँ और उसके भाई ने उसे धोखा दिया था। इसलिए रिषका ने याकूब को आरान में अपने भाई लाबान के पास भेज दिया। यीशु भी अपना घर छोड़ देता है। याकूब को अपनीह मां से दोबारा मिलना बाइबल में यह दर्ज नहीं हैं कि याकूब ने अपनी माँ को दोबारा देखा था।

रिबका अपने छोटे बेटा याकूब को अधिक प्यार करती थी। इसहाक अपने बड़े बेटा यीशु को ज्यादा प्यार करता था। और वह उसे आशीर्वाद देना चाहता था। रिबका याकूब के उपर बहुत प्यार के कारण अपने बड़ा बेटा अपने याकूब के दो आशीर्वाद देने के लिए अपने बड़े बेटे यीशु को धोखा दिया। यह जानकर, यीशु ने अपने भाई को मारने का फैसला कियाा क्योंकि उसकी माँ और उसके भाई ने उसे धोखा दिया था। इसलिए रिषका ने याकूब को आरान में अपने भाई लाबान के पास भेज दिया। यीशु भी अपना घर छोड़ देता है। याकूब को अपनीह मां से दोबारा मिलना बाइबल में यह दर्ज नहीं हैं कि याकूब ने अपनी माँ को दोबारा देखा था।

अंगूर के बाग का स्वामी:-

वह अपने सेवकों के साथ पक्षपात नहीं करता था।

सुबह सुबह घर से निकलकर ज्यमान ने अपने अंगूर के बगीचे में एक पैसे प्रतिदिन की मजदूरी पर मजदूरों को भेजा तीन बजे, छह बजे नौ बजे 11बजे और 11 बजे, उन्होने उन सभी को उचित वेतन पर काम पर रखा, जिन्होंने कहा था कि हमारे पास कोई काम नहीं है। काम पूरा होने के बाद उन्होंने सभी को सप समान वेतन दिया। यह देखकर सुबह से काम पर लगे लगे असंतुष्ट होकर बड़बड़ाने लगे। तो फिर घर के स्वामी दोस्त, मैंने तुम्हारे साथ कोई अन्याय नहीं किया है आप मुझसे एक पैसे के लिए सहमत नहीं हुए। अपना लो और जाओ। मेरी इच्छा है कि मैं इस देर से आने वाले को वैसा ही दूँ जैसा मैंने तुम्हें दिया है। उसने सभी को बराबर-बराबर धनराशि यह कहते हुए भेजी कि इसे देने मेरे लिए सौभाग्य की बात है। (मत्ती 20-1-16)

प्रिय युवाओं! क्योंकि भेदभाव किए बिना हर कोई एक जैसा दिखाता था। एकमात्र वेतन घर का मालिक देता था। आज आप निष्पक्षतापूर्वक व्यवहार करेंगे।

याकूब अपनी पत्नियों के प्रति पक्षपाती था।

याकूबः उसने अपनी पत्नियों व अपने भाई एसाव के डर से वह अपने मामा लाबान के घर भाग गया, जहाँ वह अपनी भेडे चराता और उसके साथ रहता था। जब लाबान ने यह याकूब से पूछा कि वह अपने काम के लिए कितना चाहता है, तो उसने याकूब को लाबान की सबसे छोटी बेटी राहेल से शादी करने के लिए कहा, क्योंकि याकूब उससे प्यार करता था। वह उसके लिए सात साल तक भेड चराने को भी तैयार हो गया। सात साल के अंत में लाबान ने अपनी सबसे बड़ी बेटी लिआ को शादी करके धोखा दिया। जब याकूब को इस बात का पता चला, तो वह क्रोधित हुआ और तब लाबान ने राहेल को अपनी पत्नी के रूप में दे दिया। लिआ शर्मीली है। शकल देखने मे खूबसूरत है। इसलिए उन्होने राहेल के लिए फिर से सात साल तक काम किया। याकूब को राहेल को लिआ से अधिक प्यार करता था क्योंकि वह राहेल बहुत सुन्दर थी। याकूब ने तो लिआ के प्रति पक्षपात की तरह व्यवहार किया। यहोवा ने देखा कि उसने लिआ से पक्षपात किया और उसे गर्भवती कर दिया। राहेल बांझ थी (उत्पति 29:13-31)

यूसूफ उसने अपने भाई के प्रति पक्षपात दिखाया।

मिश्र में सात वर्षों तक भयंकर अकाल पड़ा तब यूसूफ की योजना के कारण अन्न भण्डार भरा हुआ था। खजाना भी भर गया। कबान देश में, जहां यूसूफ के पिता और उसके 11 भाई रहते थे। अकाल पड़ा और वे भोजन के लिए मिश्र आए। यह नहीं जानते हुए कि यूसूफ, वह भाई जिसे उन्होने दास के रुप में बेच दिया था देश का राज्यपाल था, उन्होंने उसके सामने झुककर अनाज खरीदा। यूसूफ अपने भाइ यो को जानना था। उनके भाई को कैद कर लिया गया। अपने अंतिम भाई बिन्यामीन के लाओ, फिर उसने कहना भेजा की मुझे आशा है कि तुम पराए देश के जासूस नहीं हो। यूसुफ की मेज से उन्हें खाना बांटने में उनके सभी हिस्से पर विचार करे तो उन सभी के हिस्से से पाँच गुणा अधिक था। यूसुफ अपने विस्थापित को अपने सभी भाइ यों से अधिक प्यार करता था। इसलिए उसको अधिक हिस्सा दिया था। (उत्पति 43:44)

प्रिय युवाओं। यूसूफ ने अपने भाई, अर्थात् अपनी माता के पुत्र, पर बहुत प्यार रखा था और उसे बहुत सा अन्न और भोजन दिया क्या आप जोसफ की तरह पक्षपाती है।

प्रार्थना मार्गदर्शिका

दिसम्बर, 2023

इजराइल राष्ट्र

• गाजा से हमास आतंकवादी समूह ने इजराइल के यरूशलेम पर 5000 मिसाइलें भेजकर हमला किया।

• इस हमले में अब तक करीब 1700 लोग मौत हो चुकी है। इजरायली हमले के कारण गाजा में घायल हुए करीब 7900 लोगों को इलाज नहीं मिल पा रहे हैं।

• गाजा में 24 स्वास्थ्य सहायता केन्द्र पर हमला किया गया और 11 स्वास्थ्य कार्यकर्ता मारे गए।

• गाजा से अब तक 3.38 लाखों लोगों को निकाला जा चुका है। गाजा में रहने वाली करीब 50,000 गर्भवतियों के पास पीने को पानी नहीं मिला है। संयुक्त राष्ट्र खाद्य एवं कृषि संगठन की रिपोर्ट है।

• आतंकियों के खिलाफ इजराइल के हमले में 2500 से ज्यादा आतंकी मारे गए हैं।

प्रार्थना विषय:-

• इजराइल राष्ट्र की रक्षा और यरूशलेम और इजराइल में हर जगह शांति के लिए प्रार्थना करें। हमले में घायल किये गए। करीब 1700 लोगों के परिवारों के प्रति संवेदना मिले और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करें।

• गाजा से निकाले गए लोगों को सुरक्षित स्थान पर ठहराया जाना चाहिए। उचित भोजन के लिए प्रार्थना करें।

• दुनिया के कई हिस्सों से काम करने वाले आतंकवादी के लिए प्रार्थना करें कि वे पश्चाताप करें ओर यीशु को स्वीकार करें।

• इजराइल के लोगों के लिए प्रार्थना करें कि वे यीशु को अपने उद्धारकार्य के रूप में स्वीकार करें।

हत्या

• युनाइटेड स्टेट्स रिसर्च इंस्टीटयूट की एक रिपोर्ट के मुताबिक, सबसे ज्यादा नरसंहार वाले देशों में भारत आठवें स्थान पर है।

• भारत में गिरावट देखी गई है।

• पिछले वर्ष भारत दूसरे स्थान से गुणवता में गिरावट देखी गई है।

• भारत में प्रतिदिन लगभग 82 लोगों की हत्या कर दी जाती है राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरों ने भी बताया कि अपहरण के 11 मामले हो रहे है।

• रिपोर्ट के मुताबिक भारत के झारखंड राज्य में सबसे ज्यादा हत्याएं और दिल्ली में सबसे ज्यादा अपहरण होते हैं।

• अधिकाँश हत्याएँ पूर्व दुश्मनी या लाभ के विवाद के कारण होती है।

प्रार्थना विषय:-

(1) भारत में हत्याएं बन्द होने और देश की शांति के लिए प्रार्थना करे।

(2) आए दिन होने वाली हत्याओं से 82 लोग मर रहे हैं। प्रार्थना करें कि हमारी भूमि से रक्तपात समाप्त हो जाए।

(3) परमेश्वर से प्रार्थना करें कि वह हमें एक दूसरे को माफ करने, कड़वाहट भूलने और शांति और खुशी से रहने का हृदय दे।

(4) उन लोगों के लिए प्रार्थना करें जो हत्या करने का इरादा रखते हैं ताकि उन्हें उस इरादे से मुक्त किया जा सकें।

(5) प्रार्थना करें कि हत्यारी आत्माएं बन्ध् जाएंगी।

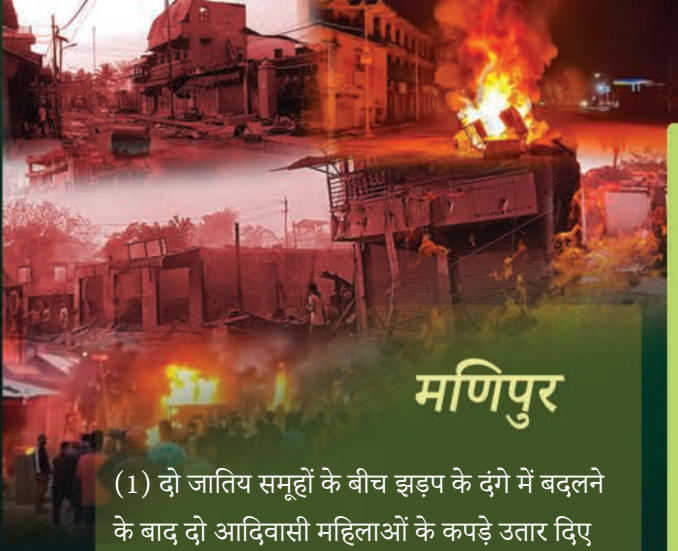

मणिपुर

(1) दो जातिय समूहों के बीच झड़प के दंगे में बदलने के बाद दो आदिवासी महिलाओं के कपड़े उतार दिए गए और उनका यौन उत्पीड़न किया गया।

(2) कई लोगों ने शरणार्थी के रूप में पड़ोसी राज्यों में शरण ली।

(3) मणिपुर में हिंसा कुछ हद तक अलग-थलग है तो सितम्बर में गंगू क्षेत्र के दो गांवों के बीच फिर से हिंसा भड़क उठी और तीन लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी गई।

(4) लगातार जारी हिंसा से लोगों में डर पैदा हो रहा है।

प्रार्थना विषय

• उन 50,000 से अधिक लोगों की सुरक्षा के लिए प्रार्थना करे जिन्होंने हिंसा के कारण अपने घर खो दिए है और शिविरों में रहने को मजबूर है।

• मणिपुर में दिन-ब-दिन बढ़ते दंगों के सवरूप होने के लिए प्रार्थना करें।

• दोनों जातियो के बीच शांति और उनके बीच एकता के लिए प्रार्थना करें।

• महिलाओं और गर्भवति महिलाओं के किडा सुरक्षा करें और यौन हिंसा के उन्मूलन के लिए प्रार्थना करें

• प्रार्थना करें कि भारत सरकार उचित कार्रवाई करेगी और मणिपुर में राज्य में एक सामाजिक स्थिति लाएगी।

कामोडदीपक चित्र

(1) भारत में युवा कम उम्र में ही अश्लील फिल्में देख रहे हैं. खासकर 13 साल की उम्र से ही यह आदत शुरू हो रही है ऐसी भी खबरें हैं कि उन साइटों पर जाने वाले लोगों ऐसी संख्या दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही हैं।

(2) क्योंकि किशोर अधिक गन्दे फिल्मे देखने से डोपामाइन कस उत्पादन बढ़ जाता है और मस्तिष्क की शिथिलता हो सकती है, अध्ययनों से यह भी पता चलता है कि पोर्नोग्राफी अवसाद जैसे मानसिक बीमारियों का कारण बनती है।

(3) जो व्यक्ति बहुत अधिक अश्लील साहित्य देखता है उसका मित्र विपरीत लिंग के दोस्तों का होना दीर्घकालिक सम्बन्धें को बंध्ति कर सकता है और शारीरिक अंतरंगता सम्बन्धी समस्याओं को जन्म दे सकता है।

(4) आज, किशोर, लड़के, पुरुष, महिलाएं, विवाहित छात्र, बचाए गए और बचाए नहीं गए, नौकर, विश्वासी और उच्च पदो पर बैठे लोग बिना किसी भेदभाव के पाप के गुलाम हो जाते हैं।

प्रार्थना विषय

(1) हमारे भारत देश में युवाओ के दिमाग को भ्रष्ट करने वाली अश्लील वेबसाइटों पूर्ण प्रतिबन्ध् के लिए प्रार्थना करें।

(2) उन युवा मनों के लिए ईमानदारी से प्रार्थना करें जिनके दिन बच्पन में असलील साहित्य में सम्पर्क के कारण वासना और विभिन्न प्रकार की यौन हिंसा से भरे हुए हैं।

(3) छोटे बच्चों को ये गलत रास्ते नहीं अपनाने चाहिए बच्चो को अच्छी सलाह देकर और बहुत सोच समझकर प्यार करके उनका मार्गदर्शन करने के लिए ईमानदारी से प्रार्थना करें ।?

(4) प्रार्थना करें कि जो लोग इसके आदी है उन्हें एहसास हो कि वह एक पाप है और वे इससे मुक्त हो जाए और पश्चाताप करें।

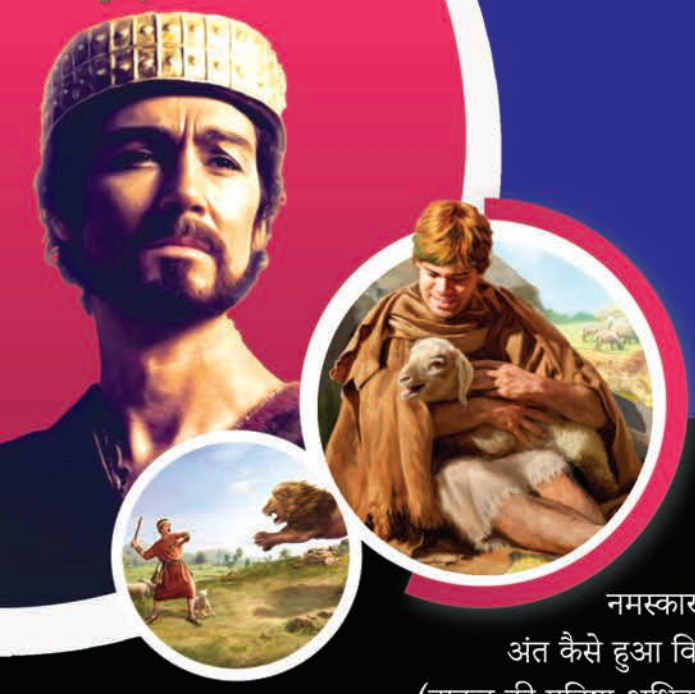

परमेश्वर के मन के अनुरूप व्यक्ति

राजा दाऊद का अंत

मेरे प्यारे बच्चों प्रभु यीशु मसीह के नाम से आपको नमस्कार आखिरकार, इस महीने भाई डेविड का निर्णय कैसा रहा? अंत कैसे हुआ विचार करके खत्म कर सकते है। इन दो वैदिक अनुच्छेदों में (दाऊद की प्रतिष्ठा अधिक बढ़ती गई) लिखी गई है। दूसरे अनुवाद में दिन-प्रतिदिन बेहतर विशेष होता गया इस प्रकार है।

ऊर्जा

यदि हम इन बातों के कारण यह रहस्य पर गौर करें तो दाऊद भेड़-बकरियों को चराते हुए जंगल में फिरता था, सम्पूर्ण इजराइल के राजा के रूप में निरन्त विकास का कारण या रहस्य है (2 शमूएले 5: 10, 1 इतिहास 11: 9) पीछे लिखा गया है कि सेनाओं का परमेश्वर यहोवा उसके साथ था। दाऊद दिन-प्रतिदिन बेहतर होते जा रहा था इस का कारण यह है कि स्वर्ग और धरती को बनाया यहोवा परमेश्वर राजा दाऊद के संग था।

इसलिए दाऊद गाते है कि मैंने यहोवा को निरन्तर अपने सम्मुख रखा है, इसलिए कि वह मेरे दाहिने हाथ रहता है, मैं कभी न डगमगाऊँगा। दाऊद के पास प्रभु को अपने साथ रखने का अनुभव था। केवल युद्धकाल में ही नहीं बल्कि जब भालू और शेर उसके विरोधी हो गये इतनी ही नहीं जब उनके अपना ही बेटा अपसलोंप का दुश्मन पीछा कर रहा था तब भी वह सदैव प्रभु को अपने सामने रखना था। केवल आवश्यकता पड़ने पर ही दाऊद ने प्रभु की खोज नहीं की, उसे सदैव परमेश्वर को खोजने का अनुभव था।

जिस दिन से दाऊद ने महान पराक्रमी गोलियत के साथ अपनी पहली लड़ाई शुरू की और अंत तक होने वाली सभी लड़ाइयों में जब कनानी, पलिश्ती उसके खिलाफ आए? राजा दाऊद ने, उसे प्रभु ने उसके समाने रखा था, दुश्मनों को तितर-बितर कर दिया और शपथ खाई एक महान जीत।

आशीर्वाद

दाऊद के पिता जी पिशे एक किसान थे। जो बेथलहम नामक एक छोटे शहर में रहते थे। बकरी पालने वाले थे, दाऊद के पास अपनी सम्पति के रूप में कुछ भेड़े थी और वह उन्हें जंगल में चरा रहा था और प्रभु ने उसे आशीर्वाद दिया था।

परमेश्वर की योजना के अनुसार, शमूएल भविष्यवक्ता से इसराएल के राजा के रूप में अभिषिक किया गया था। गोलियथ को हराने के बाद, डेविड को राजा शाऊल की नज़र में अनुग्रह मिला था। उसे शाऊल के महल में बुलाया गया। उन्हें प्रभु की लड़ाई लड़ने की जिम्मेदारी मिली।

सुरही बजाकर राजा शाऊल से दुष्ट आत्मा को बाहर निकाला। वह राजा शाऊल का दमाद बन गया। वह यहूदा का राजा नियुक्त

किया गया। राजा शाऊल की मृत्यु के बाद, वह 37 वर्ष की आयु में इज़राइल साम्राज्य का राजा बन गया।

यहोवा ने दाऊद और उसके परिवार को आशीर्वाद किया। हालांकि एक तरफ जहां लगातार युद्ध होते रहते थे, अकाल के बावजूद यहोवा ने उस देश की रक्षा की और उसे आशीर्वाद दिया जो राजा दाऊद के संग था। उसने शत्रुओं से बचाकर विश्राम दिया। दाऊद ने यहोवा के लिए मन्दिर बनाने के लिए सोना, चाँदी, पीतल, लोहा, लकड़ी और पतरि इकट्ठा किया।

यहोवा ने यरूशलेम में दाऊद के लिए एक सुन्दर घर और एक सुन्दर महल बनाया। इसे डेविड का शहर कहा जाता था। कई पत्नियाँ और लगभग 19 बच्चे दिए। तेरा घराना और तेरा राज्य मेरे साम्हने सदैव स्थिर रहेगा, और उसी ने तेरे वंश के लिए राज्य को स्थिर किया है।

सबसे बढ़कर, प्रभु यीशु को न तो इब्राहीम का पुत्र, न ही यूसूफ का पुत्र, बल्कि दाऊद का पुत्र कहा जाता है। नये नियम के 17 छंदो से पता चलता है कि प्रभु यीशु दाऊद के पुत्र हैं। राजा दाऊद के लिए इससे बड़ा आशीर्वाद क्या हो सकता था?

प्यारे बच्चों! यह यहोवा ही है जिसने दाऊद को आशीर्वाद दिया वह आपको आशीर्वाद देने और ऊँचे करने में भी सक्षम है। आप तभी मज़बूत है जब प्रभु आपके साथ है धन्य भी रह सकता है। इसके बारे में सोचे कि कौन सी चीज़ें आपको प्रभु यीशु के प्रेम से अलग करती हैं। उन्हें हटाएं, प्रभु के चरणों में समर्पित करने, परमेश्वर को जरूरत के लिए मत खोजों, हमेशा उसे खोजों, प्रभु तुम्हें आशीर्वाद दे। सबकों शुभ क्रिसमस शुभकामनाएँ।

राष्ट्र के लिए प्रार्थना करें...

'यीशु छुड़ाता है'

विश्व जागृति प्रार्थना भवन

Our Branches

दिल्ली
152, Pratap Nagar,
Near Hari Nagar Bus Depot,
New Delhi – 110 064.
Ph: 011-25616253 / 35580428.
कार्यालय समय: प्रात: 9:00 बजे से सायं 5:30 बजे तक

राँची
Kadru Sarna Toli,
Near Argora Railway Station
Road no -1, Doranda P.o.
Ranchi - 834002, Jharkhand
Ph: 0952 333 6010
कार्यालय समय: प्रात: 9:30 बजे से सायं 5:00 बजे तक

मुम्बई-धारावी
नं: टी/1, ब्लॉक 11,
90 फीट रोड़, राजीव गाँधी नगर,
धारावी मुम्बई - 400 017.
Ph: 80824 10410
कार्यालय समय: प्रात: 9:00 बजे से रात्रि 8:00 बजे तक

ज़रिकपुर-पंजाब
SCF 19, 1st Floor,
Dhakoli Kalka Road, NH - 22, Near city court
Shopping Complex, ज़रिकपुर-पंजाब.
Ph: 94177 26492
कार्यालय समय: प्रात: 9:30 बजे से सायं 5:00 बजे तक

Spread the REVIVAL fire

मुम्बई-Malad
'Bethel', Plot 305/E mith chowkly
Marve Road, Malad (W), Mumbai - 400064.
Ph: 96640 50567
कार्यालय समय: प्रात: 9:00 बजे से रात्रि 8:00 बजे तक

पटरी

जाग्रत प्रभाह

पटरी पटरी नामक इस श्रृंखला के माध्यम से पिछले कुछ महीने से मारत्थान धावकों की उपलब्धियों पर, उनकी मेहनत, और दृढ़ता उन लोगों पर ध्यान करना जो धर्मग्रन्थों मेरे परमेश्वर के लिए ईमानदारी से दोड़ते थे। हम बहुत सी चीज़े सीख रहे है। इस माह भी इसी श्रृंखला के माध्यम से प्रभु आपसे इसके बारे में बात करना चाहता है कि आने वाले पुनरूद्धार में परमेश्वर के लिए कैसे जोरदार ढंग से दौड़ना है।

जापान के युकी कवर्ची उस देश के एक स्कूल में प्रशासक के रूप में काम करते थे। उसी समय, वह अंशकालिक रूप में मारत्थान दौड़ में भाग लेते थे। उन्होंने बोस्टन में आयोजित मार्थनयन में भाग लिया। दौड़ के दिन तेज हवाओं और जया देने वाली ठंड के साथ बारिश हो रही थी। इसके अलावा, इंथियोपियाई, और केन्याई खिलाडी, जो मैराथन के लिए पैदा हुए थे, एक तरफ गहन प्रशिक्षण कर रहे थे और मुकाबले की तैयारी कर रहे थे। इस प्रकार कवर्ची को सफलता की सम्भावना कम थी। लेकिन कठिन परिस्थिति और कई प्रतिस्पर्धियों के बीच भी युकी का करिश्मा कायम रहा और उन्होंने बोटन मारत्थान में पहली जीत हासिल की। सामान्य तौर पर, यदि यह मारत्थान है, तो वे धैर्यपूर्वक दौड़गे और जीतेंगे। लेकिन युकी शुरू से ही तेज दौड़ें।

उनके और उनके पीछे के धवकों के बीच करीब 300 मीटर का फासला था। हिज्णजीकार, जो शुरू में इस पर हँसे, यूकि की गति और प्रवाह पर आश्चर्यचकित हुए और उनकी प्रशंसा करने लगे। वह बहुत सफल रहा क्योंकि वह विजय का लक्ष्य लेकर दौड़ा और परिस्थिति या विविध प्रतिस्पर्धियों से नहीं थका।

उसके बारे में पढ़ते समय पवित्रशास्त्रा में एलिय्याह के अभिषेक की मांग की और उनका अनुसरण करने और दौहरे अभिषेक करने के लिए उसका

अनुसरण किया। उस अभिषेक को पाने के लिए उन्हें जिन चुनौतियों का सामना करना पड़ा? आइए देखें कि उसने यह कैसे लिया।

एलिय्याह की कीमत

एलिय्याह का परिचय राजा 19: 19 से 21 में किया गया है। उन्हें अपने भविष्यसूचक सेवकाई को पूरा करने के लिए परमेश्वर का बुलावा मिला। उस समय, अहाब और इसाबेल भविष्यवक्ता एलिय्याह को मारने के लिए खोज रहे थे।

उस समय, एलिय्याह ने एलीशा को अपना घर और परिवार छोड़ने का आदेश दिया। ऊपर वर्जित धर्मग्रन्थ के परिच्छेद में एलीशा एक धनी व्यक्ति भी हो सकता है।

ऐसा आरामदायक और विलासितापूर्ण जीवन छोड़कर और जीवन को खतरे में डालनेवाली भविष्यसूचक सेवा करने और एलिय्याह का अनुसरण करे और उन्होंने खुद को समर्पण किया और परम दर्शन का पालन किया। वह प्रभु का अनुसरण करने के लिए आपका घर, परिवार और आपका कुछ खोने के लिए तैयार था।

उसने कुछ दुर्लभ वस्तु माँगी:-

एलिय्याह के समय कई भविष्यवकता थे। परन्तु एलीशा के एलिय्याह से उसका अभिषेक दुगना करने को कहा। उस समय के किसी भी भविष्यवक्ता की ऐसी इच्छा नहीं थी। परमेश्वर से कुछ प्राप्त करने के लिए हमें उसके लिए प्यासा होना और माँगना आवश्यक है। एलीशा की प्यास और इच्छा एलिय्याह पर अभिषेक पर थी। उन्होंने इसके लिए किसी हद तक जाने की हिम्मत की। यही कारण है कि 2 राजा के 2 अध्याय में एलिजा पर आत्मा का अभिषेक एलीशा पर दुगुना हो गया है। परिणामस्वरूप, उसने मज़बूत चमत्कारी संकेतों के साथ परमेश्वर का कार्य किया। उन्होंने अपने जीवन के हर मिनट को सुनहरे मिनटों में बदला दिया और अपनी महाकाव्य यात्रा शुरू की।

प्रिय युवाओं, यह आखिरी बार है और यीशु के दूसरे आगमन के सभी संकेत स्पष्ट रुप से दिखाई दे रहे है। यदि हम आप सभी को देखते है और फिर भी सांसारिक सुख और मनोरंजन की तलाश करते हैं, तो वह दिन आने पर हम खुद को तैयार नहीं पाएँगे। इसलिए समय का सदुपयोंग करें क्योंकि दिन खराब हैं। उठो और चमको ताकि प्रभु तुम्हारा उपयोग करने के लिए तैयार है।

COFFEE with the रिपोर्टर

चार कोढी जिन्होंने सुसमाचार का प्रचार किया

यह वह समय था जब सीरिया के राजा बेनादत ने अपनी सारी सेना इकट्ठी करके सामरियों को घर लिया था। इसलिए सामरिया में भयंकर अकाल पड़ा। नागरिक अत्याधिक भूख, भुखमारी से पीड़ित थे। अकाल की भयावहता इतनी व्याप्त थी कि माताओं ने निर्दयता से दावा किया कि भूख के कारण उन्होंने अपने बच्चों को खा लिया हैं। ऐसी स्थिति में दरवाजे पर चार कोढ़ी थे, जिनका नाम पवित्र ग्रंथ में वर्णित नहीं है। उनकी वीरता से पूरे सामरिया को अकाल की चपेट से मुक्त कराने की यह घटना 1राजाः अध्याय 7 में दर्ज है। नीचे हमारे पत्रकार के उनके साथ साक्षात्कार का एक काल्पनिक संकलन है।

अनुच्छेद : नमस्कार भाइ यो और बहनों।

कोढ़ी: नमस्ते !

अनुच्छेद : कृप्या मुझे अपने बारे में कुछ विस्तृत जानकारी बताएं।

कोढी 1: हम इस्राएल देश के सामरिया शहर से हैं। हम कुष्ठ रोग के कारण नगर से बाहर रह रहे थे और लोगों के बीच नहीं रह सकते थे।

कोढी 2: हम अपवित्र है। यदि हम परिवार और बच्चों के साथ रहेंगे तो दूसरों को भी कुष्ठ रोग हो जाएगा जैसे ही हम बीमार पड़े, उन लोगों ने हमें डेरे के बाहर निकाल दिया।

कोढी 3: हमारे परिवार के कुछ सदस्य या दोस्त हमारे लिए खाना लाते थे और उसे कुछ दूरी पर छोड़ देते थे। उनके जाने के बाद हम जाकर खाना ले आएंगे।

कोढी 4: हम किसी भी शादी और त्योहार में हिस्सा नही लेना चाहिए। हमें समाज और परिवार के लिए किस काम के नहीं है। हम अपने लिए बेकार क्यों हैं?

अनुच्छेद : अफसोस अकाल इतना क्रूर था। आमतौर पर लोग खाना खत्म कर लेते हैं और हमारे लिए हिस्सा ले आते हैं।

पत्रकार : अकाल के दौरान आपकी और आपके लोगों स्थिति कैसी रही?

कोढी : अफसोस, अकाल इतना क्रूर था। आमतौर पर लोग खाना खत्म कर लेते हैं और हमारे लिए हिस्सा ले आते हैं। लेकिन जब उनके लिए खाना नहीं होता

तो हमें खिलनेवाला कोई नहीं होता। उन्हें जो खाना मिला उसे उन्होंने छिपकर खा लिया।

कोढ़ी : उनके अभाव में बड़े-बड़े धनवान व्यक्ति भी अपना सब कुछ खो बैठते हैं। वे इतने स्वार्थी हो गए है कि अपने बच्चों के लिए अपने भाई के लिए, अपनी पत्नी के लिए और अपने ऊपर के लोगों में से एक के लिए कुछ भी नहीं बचा पाते हैं।

पत्रकार : कई दिनों की शारीरिक कमजोरी के बाद उदास और शारीरिक थकावट के साथ इस कठिन परिस्थिति में आपने कितनी समझदारी से सीरिया सेना के बीच प्रवेश करने का निर्णय लिया?

कोढ़ी 1 : भूख लगने के कारण हमने सोचा कि भोजन की तलाश में कहाँ जाएं। शहर में भोजन की कमी होने से वहाँ जाने का कोई मतलब नहीं है। भले ही हम कहीं न जाकर अपनी जगह पर ही रहे, भूख से मृत्यु निश्चित है। जिस स्थान पर खाना है वह सीरिया आयी है। इसलिए यदि हमें जीवित रखते हैं तो जीवित रहे उस रात हम सीरिया के कैंप में इस साहस के साथ मोर्चे पर गए कि मारे गए तो मर जाएंगे।

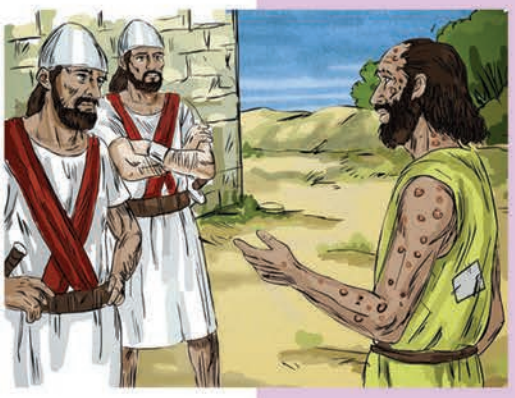

पत्रकार : जब सीरिया सेना में चली गई तो क्या हुआ?

कोढी 3 : डर के मारे धीरे-धीरे धड़कने लगी। हम एक तम्बू में अन्दर गए और आश्चर्य हुआ कि अन्दर कोई नहीं था और जब हम तम्बू में वापस गए तो हमें आश्चर्य और खुशी हुई कि किसी भी तम्बू के अन्दर कोई नहीं था।

कोढ़ी : क्योंकि यहोवा ने आरामी सैनिकों के कामों को घोड़ों, रथों और और बड़ी सेना का शोर सुनने दिया तो उस शाम वे अपने तम्बू घोड़े, गधे और छावनी की बाकि सब चीजें छोड़कर अपनी जान बचाने के लिया भाग गए, क्योंकि उन्हें डर था कि इस्राएल के राजा मिश्र के राजाओं के साथ जिन्हे वे अपने साथ ले गए थे हमारे साथ युद्ध करने आ रहा है।

कोढ़ी : हमें अपनी आँखों पर विश्वास नहीं हो रहा था। उनके तम्बू मे खाने के लिए बहुत सारा खाना था और हमने बड़े आनन्द से खाया-पिया। इतना नहीं चांदी, सोना और कपड़े भी प्रचुर मात्रा में बहाए दिए गए। हमने जितना हो सके उतना इकट्ठा किया और एक सुरक्षित स्थान पर छिपा दिया।

पत्रकार 1: और फिर क्या हुआ।

कोढ़ी 2 : तभी हमें लगा कि हम जो कर रहे हैं वह उचित नहीं है। आज धर्म प्रचार का दिन है। यदि मैं चुप रहूँ, यदि मैं भोर होने में देर करूं तो दोष हाथ पर पड़ेगा। अब भी निश्चिय निश्चय किया कि जाकर राज के महल में किसको यह समाचार दिया जाए। हमने तदनुसार किया। जहाँ सामरिया है, वहाँ सब लोगों को भोजन मिला। भोर होने से पहले, भूख और प्यास तृप्त हो गयी और सारे सामरिया में आनन्द लौट आया।

पत्रकार : अच्छा हुआ, आप दूसरों के दिए भोजन पर जीवित रहे और आपने उस पूरे शहर को खाना खिलाया जो उस घातक अकाल से मर रहे थे। आपने जो सोचते थे कि आप किसी काम के नहीं हैं। आपने पूरे शहर को आशीर्वाद दिया, और शत्रु के शिविर में साहसपूर्वक जाने का आपका सरला कार्य यह जानते हुए कि वहाँ भोजन था, और रात के अन्धेरे में सार्वजनिक कल्याण को ध्यान में रखते हुए अच्छी खबर की घोषणा की अत्यन्त सराहनीय है। आज के किशोरों से आप क्या कहना चाहेंगे?

कुष्ठ रोगियो : प्रिय भाई और बहन, हो सकता है आपको अपने अन्दर की क्षमता कापता नहीं मैं मान सकता हूं कि मैं किसी के काम का नहीं हूँ। परपेश्वर जानता है कि कमजोरों को नाकतवरों को शर्मिंदा करना पड़ता है वह किसी के भी साथ हर तरह की दुर्लभ कार्य करेगा।

आपको बस एक ही काम करना है। चाहे तू वचन का प्रचार कर, समय और असमय तैयार रहना है। यीशु के न जानने के कारण ही पाप, अभिशाप कर्ज, बीमारी, भुखपरी जैसी समस्याओं से प्रतिदिन बहुत से लोग मर रहे हैं। आप उन सभी के युशु का सुसामाच सुनाएँगे ताकि वे भी खुश रहें और खुश अनन्त जीवन के लिए पात्र बने। क्या आप करेंगे? हमे जाने दो। धन्यवाद।

पत्रकार - निश्चित रूप से हमारे किशोर ऐसा करेंगे। प्रिय भाई और बहनों - धन्यवाद!

सुनहरे घंटे

प्रिय युवा उपलब्ध् िहासिल करनेवालों को मेरी शुभकामनाएँ। मुझे पूरा विश्वास है कि आप हर दिन, हर मिनट अपने मक्सद के लिए कड़ी मेहनत कर रहे है। इस दुनिया में रहनेवाला प्रत्येक मिनट एक अनमोल मिनट है, जिसे हमें हासिल करने के लिए किया गया है। एक अचीवर का जीवन आपको उन अनमोल मिनटों को उपलब्धि के क्षेत्र में बदलने के लिए प्रेरित करने के लिए हैं।

तेजस्विन शंकर का जन्म दिल्ली में हुआ था। बचपन से ही क्रिकेट में गहरी रुचि होने के कारण उन्होंने क्रिकेट पर अधिक ध्यान देश शुरू कर दिया। लेकिन स्कूल के शारीरिक शिक्षा शिक्षक जिन्होंने तेजस्विन को देखा, उन्हें एहसास हुआ कि उनमें अन्य प्रतिभाएँ है और उन्होंने तेजस्विन को क्रिकेट की तुलना में ऊँची कूद पर अधिक ध्यान केन्द्रित करने की सलाह दी और उन्हें ऊंची कूद का अभ्यास करने के लिए प्रोत्साहित किया।

विद्यालय के पी.टी. टीचर के उत्साह के तेजस्विन की जिन्दगी बदल दी। इससे उन्हें ऊंची कूद में सफल होने का दृढ़ आत्मविश्वास मिला। ऐसा समय 14 साल की उम्र में तेजस्विन के पिता ल्यूकेमिया से पीड़ित हो गए और उनकी मृत्यु हो गई। उनके पिता की मृत्यु के उन पर बहुत प्रभाव डाला। उन्होंने अपने पिता को वादा दिया कि वह निश्चित रूप से खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करेंगे। उन्होंने न सिर्फ वादा किया बल्कि उस पर काम भी शुरू कर दिया।

2013 में दिल्ली राज्य एथलेटिकस चैंपियनशिप मैंच में तेजस्विन ने भाग लिया और कांस्य पदक प्राप्त किया। उन्होंने एशिया में 2015 राष्ट्रमण्डल युवा खेलों में स्वर्णपदक जीता। 2016 में गुवाहाटी में आयोजित दक्षिण एशियाई खेलों में रजत पदक जीता। गोल्डकोस्ट में 2018 राष्ट्रमण्डल खेलों में उन्होंने छठे स्थान पर रहकर सभी का ध्यान खींचा। आज वह एक युवा अचीवर के रूप में रेंग रहे हैं।

युवा लोग इसे पढ़ रहे हैं तेजस्विन जन्म के समय अचीवर नहीं पैदा हुए थे। उनकी इच्छा और दृढ़ता ने उन्हें एक सफल ऊँची छलांग लगानेवाला खिलाड़ी बना दिया। दुनिया में कोई भी व्यक्ति जन्म से ही सफल नहीं होगा। अगर आप बड़े होकर कुछ हासिल करने की ठान लें तो दुनिया जरूर हैरान रह जाएगी। अचीवर बन सकते है ऐसा मत सोचों कि एक दो बार असफल होने के बाद यह नहीं सोचना कि मैं यह नहीं कर सकता। कड़ी मेहनत करें और आप कुछ ही समय में सफल व्यक्ति बन सकते हैं। आपको उपलब्धि हासिल करने के लिए, प्रेरित करने के लिए बहुमूल्य मिनट आपकी उंगलियों पर है।

हर पाँचवाँ सप्ताह रविवार को हम युवाओं के लिए रिवाइवल इग्नाइटर्स फ़ेलोशिप का आयोजन कर रहे हैं, जिसे निम्नलिखित तारीखों [31/12/2023] पर जीसस रिडीम्स मिनिस्ट्रीज़ यूट्यूब चैनल पर प्रसारित किया जा रहा है। अधिक जानकारी के लिए कॉल करें। नीचे दिए गए नंबर

YouTube Jesus Redeems - Hindi

Comforter DIGITAL CHANNEL www.comfortertv.com

संपर्क संख्या : +919750955548

इग्नाइटर्स यूथ फ़ेलोशिप एक जगह है जहां युवा अपनी आध्यात्मिकता को प्रज्वलित करते हैं जीवन की गहन सच्चाइयों की खोज करें बाइबल, और प्रार्थना करने में शक्ति पाएँ एक समूह के रूप में देश।आपका स्वागत है
इस फ़ेलोशिप में शामिल होने और बढ़ने के लिए मज़बूत। चलो भी! अपने आप को मजबूत करो,और दूसरों को मजबूत करने के लिए तैयार हो जाइये !

हर पहले रविवार

Mumbai – Dharavi
Timing: 5.00 PM- 7.30 PM
World Revival Prayer Centre
2nd Floor, Above Balakrishna
Farsan Mart, Opp. Apna Restaurant,
Near Kamarajar School,
90 Feet Road,
9004882470

हर दूसरे रविवार

Mumbai-Bhandup
Timing: 4 PM – 6.30 PM
Bright High School
Village Road, Bhandup (W)
Mumbai – 400078
(Walkable Distance from
Nahur Rly.Station)
9004882470

हर चौथे रविवार

Mumbai-Malad
Timing: 4.00 PM – 6.00 PM
Bethel Ground Floor
305/E, Mith Chauky,
Marve Road,
Malad (W)
9664050567 | 9619996976